सेवा में,

श्रीमान महाविद्यालयीन प्रशासन

के. एन. बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन बेंगाबाद गिरीडीह

विषय: बी.एड. संस्थान के शैक्षणिक और प्रायोगिक अनुभव पर फीडबैक

सम्मानीय महाविद्यालयीन प्रशासन ,

सर्वप्रथम संस्थान को नैक द्वारा B+ग्रेड प्राप्त होने के लिए हमारी व्यक्तिगत शुभकामनाएं!यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है,जो शिक्षण गुणवत्ता एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं के व्यवहारिक रूप व कुशल प्रशिक्षकों की प्रशिक्षु केंद्रित मेहनत के प्रतिफल को दर्शाता है।

मैं आपके संस्थान में अपने बी.एड. सत्र 2018-20 अध्ययन के दौरान प्राप्त अनुभव को साझा करना चाहता हूँ। इस संस्थान में शिक्षक शिक्षण प्रणाली,प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन व मित्रवत व्यवहार, पाठ्यक्रम की गुणवत्ता और व्यावहारिक प्रशिक्षण का स्तर सराहनीय है। समाज की उन्नति के लिए एवं एक सशक्त राष्ट्र और समाज बनाने के लिए टीचर एजुकेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और संस्थान से हमारी यही अपेक्षा है कि इस क्षेत्र में हो रहे नवीन प्रयोगों का अमल एवं अनुसरण करते हुए संस्थान एक बेहतर शिक्षक बनाने का महत्वपूर्ण केंद्र बनें!

सकारात्मक पहलू:

1.शिक्षकों का सहयोग एवं मार्गदर्शन – प्रशिक्षक बहुत सहायक और सरल और प्रभावी तरीके से समझाने का प्रयास

2.व्यावहारिक प्रशिक्षण – शिक्षण कौशल-प्रैक्टिस ,अवलोकन व इंटर्नशिप के अवसर बहुत अच्छे , वास्तविक शिक्षण अनुभव प्राप्त

3.सुविधाएं – लाइब्रेरी में पर्याप्त पुस्तकें,डिजिटल संसाधन उपलब्ध ,हमारे अध्ययन को आसान

4.सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ – विभिन्न वर्कशॉप, सेमिनार और शिक्षण प्रतियोगिताएं, छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक

सुधार के सुझाव:

1.स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग –कक्षाओं में अधिक डिजिटल संसाधनों (जैसे स्मार्ट बोर्ड और प्रोजेक्टर) का उपयोग शिक्षण और अधिक प्रभावी

2.इंटर्नशिप अवधि में शिक्षण अभ्यास की अवधि को थोड़ा बढ़ाया जाए, तो यह हमारे लिए और अधिक उपयोगी होगा

3.अतिरिक्त प्रशिक्षण कार्यशालाएँ – शिक्षण तकनीक, बाल मनोविज्ञान और कक्षा प्रबंधन से संबंधित अधिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाएएँ, तो छात्रों को आधुनिक शिक्षण विधियों की बेहतर समझ विकसित

4. प्लेसमेंट और करियर गाइडेंसः

* संस्थान को प्लेसमेंट सेल और करियर गाइडेंस सेंटर को और सक्रिय बनाना चाहिए।
* विद्यार्थियों को टीचिंग एग्जाम (CTET, TET, NET, आदि) की तैयारी में सहयोग देना चाहिए।
सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में जॉब ऑप्शंस की जानकारी दी जानी चाहिए।
 टेक्नोलॉजी-आधारित फीडबैक
1.डिजिटल युग में,शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शिक्षण-प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का अधिकतम उपयोग करना
2.संस्थान को LMS (Learning Management System) जैसे Moodle, Google Classroom, या Blackboard को अपनाना ताकि विद्यार्थियों को डिजिटल रूप से अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो
3. ऑनलाइन असेसमेंट और त्वरित फीडबैक सिस्टम स्थापित
4.AI आधारित टेस्टिंग और मूल्यांकन प्रणाली लागू,जिससे विद्यार्थियों की परफॉर्मेंस का सटीक आकलन हो
5.हाइब्रिड लर्निंग(offline+online)
6.प्रशिक्षुओं को डिजिटल टूल्स के माध्यम से इंटरैक्टिव लर्निंग अनुभव देना आवश्यक करना
7. Chatgpt &AI-सहायता प्राप्त शिक्षा
8.संस्थान में स्मार्ट बोर्ड, AR/VR तकनीक, और AI-आधारित टीचिंग असिस्टेंट को लागू किया जाना चाहिए, जिससे शिक्षण प्रक्रिया रोचक और प्रभावशाली बने
9.BI Tools (Tableau, Power BI) की मदद से संस्थान अपनी शिक्षा गुणवत्ता का विश्लेषण कर सकता है

बीएड संस्थान को टेक्नोलॉजी-समर्थित शिक्षक शिक्षण प्रणाली अपनाने से न केवल शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि प्रशिक्षु अधिक व्यावहारिक और आधुनिक तरीके से सीखने में सक्षम होंगे। इससे भविष्य के शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा के अनुकूल तैयार किया जा सकेगा,जो शिक्षा जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे।
संस्थान की उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाओं सहित।

सादर
मुकेश कुमार यादव
बी.एड. सत्र-2018-20
महाविद्यालयीन क्रमांक-28